शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

बुधवार 20 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 18 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट ने सभी ट्रिब्यूनल के चीफ का कार्यकाल बढ़ाया

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी ट्रिब्यूनल अध्यक्षों, प्रेसिडेंटों और सदस्यों का कार्यकाल 8 सितंबर तक बढ़ा दिया। यह फैसला ट्रिब्यूनल के कामकाज को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए लिया गया है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने एक लंबित मामले की सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया। इस मामले का जिक्र नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सदस्य के संदर्भ में किया गया था, जिनका कार्यकाल जून में खत्म होने वाला है।

इंजीनियरिंग स्टूडेंट पर क्लासमेट से रेप का आरोप

हैदराबाद। हैदराबाद के इब्राहिमपट्टनम इलाके में एक इंजीनियरिंग स्टूडेंट को क्लासमेट के साथ रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि 14 मई की रात उसने अपनी 20 साल की क्लासमेट को जबरन शराब पिलाकर दुष्कर्म किया था। पीड़िता की शिकायत पर 15 मई को मामला दर्ज किया गया।

हाईकोर्ट का केजरीवाल, सिसोदिया समेत आप नेताओं को नोटिस

नईदिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जज के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने से जुड़े अवमानना मामले में केजरीवाल, सिसोदिया और आप के अन्य नेताओं को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया और आप के अन्य नेताओं को अपना जवाब दाखिल करने के लिए 4 हफ्ते का समय दिया है।

पाक, बांग्लादेश से आने वालों के लिए बदले नागरिकता नियम

नईदिल्ली। गृह मंत्रालय ने नागरिकता नियम 2009 में बदलाव करते हुए नया नियम लागू किया है। इसके तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने वाले लोगों को अब अपने पासपोर्ट की जानकारी देना जरूरी होगा।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

शाह बोले- बस्तर के हर आदिवासी को गाय-भैंस देंगे

कहा- डेयरी नेटवर्क बनेगा, नक्सल खात्मे का टारगेट पूरा, कांग्रेस सरकार ने मदद नहीं की

राष्ट्रबाण | जगदलपुर | एजेंसी | rashtrabaan.in

छत्तीसगढ़ के बस्तर में पहली बार मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक हुई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद के खात्मे का टारगेट हासिल कर लिया गया। शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस (भूपेश) सरकार से उन्हें नक्सल उन्मूलन में सहयोग नहीं मिला। बस्तर के नक्सल मुक्त होने के बाद 70 कैंपों में से लगभग एक-तिहाई कैंपों को 'वीर शहीद गुंडाधर सेवा डेरा' के रूप में विकसित किया जाएगा। गृहमंत्री ने आगे कहा कि हर आदिवासी महिला को पशुपालन से जोड़ने की योजना है। बस्तर के हर आदिवासी नागरिक को एक गाय और एक भैंस देंगे। 6 महीने में बस्तर में बड़ा डेयरी नेटवर्क बनेगा।

जल-जंगल-जमीन को बेचने की प्लानिंग- बैज

इधर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की अगुआई में कांग्रेसियों ने अमित शाह से बस्तर को मुद्दों पर चर्चा करने की मांग की। हालांकि, प्रशासन ने उन्हें रोक दिया। इस पर दीपक बैज ने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद बैठक सिर्फ खानापूर्ति है। यहां बस्तर के जल-जंगल-जमीन को बेचने और उद्योगपतियों को लाने की प्लानिंग चल रही है। इसलिए अमित शाह और चारों मुख्यमंत्री हमसे चर्चा करने में डर गए। असली प्लानिंग बस्तर का विकास के लिए नहीं बल्कि बस्तर के खनिज संसाधन को बेचने की प्लानिंग चल रही है।

बैठक में 4 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में जगदलपुर में हुई इस बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। बैठक में राज्यों के विकास के साथ-साथ गंभीर सामाजिक और सुरक्षा मुद्दों पर कड़े फैसले लिए गए हैं। बैठक में चारों राज्यों में अपराध नियंत्रण, विशेषकर महिलाओं के उत्पीड़न और रेप जैसे मामलों पर जल्द फैसले लेने पर चर्चा की गई।

वर्चुअल हो सकती थी बैठक- दीपक बैज

बस्तर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने तंज कसा। बैज के मुताबिक एक तरफ प्रधानमंत्री देश से पेट्रोल-डीजल बचाने और वर्क फ्रॉम होम करने का आह्वान करते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके ही गृहमंत्री और मुख्यमंत्री उनकी बातों को हवा में उड़ा रहे हैं। जब केंद्रीय गृह मंत्रालय और सभी राज्यों के मुख्यमंत्री सचिवालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की हाईटेक सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं, तो इस बैठक को वर्चुअल भी किया जा सकता था।

ट्रम्प-नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 500 करोड़ देगा ईरान

संसद में बिल लाने की तैयारी; ट्रम्प ने ईरान पर आज होने वाला हमला टाला

राष्ट्रबाण | तेल अवीव | एजेंसी | rashtrabaan.in

ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि 'इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है।

ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई सैन्य और राजनीतिक नेताओं की मौत के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

इस बीच ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान पर मंगलवार को होने वाला हमला फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे गल्फ देशों के नेताओं ने बातचीत को मौका देने के लिए कुछ दिन का समय मांगा था।

ईरान में आईआरजीसी के पूर्व मेंबर की मौत, बम को डिएक्टिवेट कर रहे थे

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक रिटायर्ड मेंबर की तेहरान में मौत हो गई। ईरान से जुड़ी फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक वह हालिया युद्ध के दौरान बचे बिना फटे गोला-बारूद को निष्क्रिय करने के अभियान में शामिल थे। इस दौरान विस्फोट हो गया, जिसमें उनकी जान चली गई। ईरान में हालिया संघर्ष के बाद कई इलाकों में अब भी बिना फटे बम, मिसाइल या सैन्य सामग्री मिलने की खबरें आ रही हैं। ऐसे ऑपरेशन बेहद खतरनाक माने जाते हैं क्योंकि थोड़ी सी गलती भी जानलेवा विस्फोट का कारण बन सकती है।

तेहरान में पत्रकार बनकर जासूसी करने वाले 2 लोग गिरफ्तार

तेहरान पुलिस ने पत्रकार बनकर काम कर रहे दो संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। ईरानी एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, दोनों पर सैन्य और खुफिया जानकारी विदेश भेजने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, दोनों पश्चिमी और उत्तरी तेहरान में सक्रिय थे और खुद को पत्रकार बताकर संवेदनशील जानकारी जुटा रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि जानकारी ईरान विरोधी नेटवर्क्स को भेजी जा रही थी। इसके लिए स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा था।

ईरान पर हमला टलने से सोना सस्ता हुआ

ट्रम्प के ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला टालने के बाद मंगलवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई। स्पॉट गोल्ड 0.5% गिरकर 4,544.17 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि जून डिलीवरी वाले अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.2% टूटकर 4,547.70 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए। ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका ईरान पर बड़ा हमला करने वाला था, लेकिन कतर, सऊदी अरब और यूएई के अनुरोध पर उसे फिलहाल टाल दिया गया। इसके बाद पश्चिम एशिया को लेकर बाजार में तनाव थोड़ा कम हुआ, जिससे सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की मांग घटी। हालांकि बाजार अब भी सतर्क है, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है और क्षेत्रीय तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

ईरान बोला- हमला हुआ तो अरब देशों को नहीं छोड़ेंगे

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के उपाध्यक्ष महमूद नबावियन ने चेतावनी दी कि अगर ईरान या उसके नेताओं पर फिर हमला हुआ तो जवाब सिर्फ अमेरिका और इजराइल तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि उन अरब देशों को भी निशाना बनाया जा सकता है जो अमेरिका और इजराइल के साथ खड़े हैं।

जर्मन चांसलर पर भड़का ईरान; बोला- अमेरिका-इजराइल के हमलों पर चुप क्यों थे?

ईरान ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के परमाणु ठिकानों पर हमलों को सही ठहराने वाले देश अब अंतरराष्ट्रीय कानून और क्षेत्रीय सुरक्षा की बात कर रहे हैं। बघाई ने एक्स पर कहा कि अमेरिका और इजराइल ने ईरान के सुरक्षित परमाणु ठिकानों पर खुले हमले किए, लेकिन पश्चिमी देशों ने इसकी निंदा नहीं की। उन्होंने कहा कि अब एक कथित फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन के बाद वही देश अंतरराष्ट्रीय कानून का हवाला दे रहे हैं, जबकि यूएई ने भी आधिकारिक तौर पर ईरान को जिम्मेदार नहीं ठहराया। बघाई ने कहा कि अगर परमाणु ठिकानों पर हमला खतरा है, तो यह नियम सभी देशों पर बराबर लागू होना चाहिए, सिर्फ पश्चिमी हितों के हिसाब से नहीं। ईरानी प्रवक्ता ने जर्मन नाटक द ब्रोकन जग का जिक्र करते हुए कहा कि यह रवैया जज एडम जैसा है, जो खुद गलतियां करता है लेकिन दूसरों को न्याय सिखाता है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन सितंबर में भारत आएंगे

ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे, 10 महीने में दूसरा दौरा; मोदी भी इस साल रूस जाएंगे

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को कहा कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने पुतिन को दिसंबर 2025 में उनके भारत दौरे के दौरान आधिकारिक तौर पर समिट में शामिल होने का न्योता दिया था। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा। पीएम मोदी भी इसी साल रूस दौरे पर जाएंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में भारत आए थे। उस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 2025 का दौरा इसलिए भी खास माना गया था, क्योंकि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा था। इससे पहले वह आखिरी बार 2021 में नई दिल्ली आए थे।

बंगाल के फालता में टीएमसी कैंडिडेट चुनाव से पीछे हटे

परसों दोबारा वोटिंग; ईवीएम में बीजेपी सिंबल पर टेप मिलने के कारण चुनाव रद्द हुआ था

राष्ट्रबाण | कोलकाता | एजेंसी | rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर दोबारा वोटिंग से दो दिन पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। जहांगीर ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की। बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज यानी 29 अप्रैल को फालता में वोटिंग हुई थी। इस दौरान कुछ बूथ पर ईवीएम में भाजपा के बटन पर टेप चिपका मिला। कई अन्य बूथों पर भी ईवीएम में गड़बड़ी की खबरें आईं। इसके बाद चुनाव आयोग ने 21 मई को दोबारा वोटिंग के आदेश दिए। रिजल्ट 24 मई को आएगा।

जहांगीर ने शुभेंदु की तारीफ की, ष्टरू बोले- टीएमसी उम्मीदवार चुनाव से भागे

चुनाव से हटने का ऐलान करते हुए टीएमसी नेता जहांगीर ने कहा- मैं फालता का बेटा हूं और चाहता हूं कि यहां शांति बनी रहे और यह तरक्की करे। ष्टरू शुभेंदु यहां के लिए स्पेशल पैकेज दे रहे हैं, इसीलिए मैं चुनाव से खुद को अलग कर रहा हूं। पश्चिम बंगाल के ष्टरूशुभेंदु अधिकारी ने जहांगीर के फैसले पर कहा- उनके पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं था, क्योंकि उन्हें कोई पोलिंग एजेंट तक नहीं मिलेगा।

कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम सवालों से भागते दिखे: जब छिपाने को कुछ नहीं तो डर क्यों: राहुल

मोदी ने नॉर्वे में पत्रकार को जवाब नहीं दिया था

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

राहुल गांधी ने मंगलवार को नॉर्वे में एक महिला जर्नलिस्ट हेली लिंग के सवाल को टालने पर पीएम मोदी की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जब दुनिया एक कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम को कुछ सवालों से घबराकर भागते हुए देखती है, तो भारत की छवि पर क्या असर पड़ता है। जब छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो डरने की भी कोई बात नहीं है।'

राहुल ने हेली की एक्स पोस्ट शेयर करते हुए यह लिखा। दरअसल, पीएम मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे के साथ जॉइंट प्रेस मीट की थी, लेकिन मीडिया के सवाल नहीं लिए। मोदी नॉर्वे के 2 दिन के दौरे पर हैं। दौरा आज शाम को खत्म हो जाएगा।

महिला जर्नलिस्ट ने पूछा- सवालों के जवाब क्यों नहीं देते पीएम मोदी: जॉइंट प्रेस मीट के बाद मोदी और जोनास गार जाने लगे तब हेली लिंग ने पूछा, 'पीएम मोदी आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के कुछ सवालों के जवाब क्यों नहीं देते।' जवाब ना मिलने पर हेली ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लिखा, 'नॉर्वे वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में पहले नंबर पर है, जबकि भारत 157वें नंबर पर है।

मानसून अगले हफ्ते केरलम पहुंचेगा, रफ्तार कम रहेगी: पूरे देश को देरी से कवर करेगा

मप्र -राजस्थान समेत 10 राज्यों में अगले 7 दिन हीटवेव अलर्ट

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने भारत की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। फिलहाल यह अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के दक्षिणी सिरे से लेकर उत्तरी सिरे तक छा चुका है। मौसम विभाग ने तय तारीख एक जून से पहले 22 से 26 मई के बीच मानसून के केरलम पहुंचने की संभावना जताई है।

इस बार मानसून की रफ्तार धीमी रहने की आशंका ज्यादा है। इसलिए लगातार बारिश के बजाय मानसून बार-बार अटकेगा। एक ही जगह ठहरा रहेगा। इसमें बिना बारिश के दिनों की संख्या (मानसून ब्रेक) ज्यादा रह सकती है। जून से सितंबर के दौरान 7 से 14 दिन तक के कई ब्रेक आ सकते हैं। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर के अध्यक्ष जीपी शर्मा कहते हैं कि इस बार मानसून पर 2002 जैसा खतरा दिख रहा है। तब मानसून 29 मई को केरल पहुंच गया था। सामान्य रूप से ये 35 से 38 दिनों में पूरे भारत को कवर कर लेता है।

लोगों की सुरक्षा जरूरी; जो अफसर निर्देश न माने, उस पर अवमानना का केस चले

खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें: सुप्रीम कोर्ट

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है, लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है।

मंगलवार को दिए गए इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाएं खारिज कर दी।

कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे। जो अफसर इनका पालन न करें, उन पर अवमानना का केस चले। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हाईवे जैसे पब्लिक प्लेस से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश जारी किए थे।

कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों को जहां से पकड़ें, नसबंदी और टीकाकरण के बाद वहीं न छोड़ें। ऐसे कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखें। अदालत ने सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर भी बैन लगाया था।

मंगलवार के आदेश की 8 अहम बातें

- राज्य सरकारें पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) के नियमों को मजबूत करें और सही तरीके से लागू करें।
- हर जिले में पूरी तरह काम करने वाला एक एबीसी सेंटर (एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर) बनाया जाए।
- जहां आवारा कुत्तों की आबादी ज्यादा है, वहां जरूरत के हिसाब से एबीसी सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए।
- जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर भी ये नियम लागू करने पर फैसला लिया जाए और उसे तय समय में लागू किया जाए।
- एंटी-रेबीज दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
- एनएचएआई नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए, जैसे पुराने ट्रांसपोर्ट वाहनों का इस्तेमाल कर उन्हें हटाना। ह्र इसकी मॉनिटरिंग भी करे।
- रेबीज से संक्रमित और बेहद खतरनाक कुत्तों को कानून के तहत और जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया (दया मृत्यु) जैसे कदम उठाए जा सकते हैं ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे।
- कोर्ट के आदेश लागू करने वाले नगर निगम और सरकारी अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए। सामान्य तौर पर उनके खिलाफ एफआईआर और सख्त कार्रवाई न की जाए।

सकारात्मकता को चुनते हैं देश और दुनिया के युवा लीडर्स

जीवन के और हमारे मन के भी दो पहलू होते हैं। हम या तो सकारात्मक होते हैं या नकारात्मक। यदि हम सकारात्मक होना चुनते हैं, तो यह आशा और आत्मविश्वास जगाता है। हम खुद पर भरोसा करना सीख लेते हैं। हम स्वप्रेरित होते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन जाते हैं। देश और दुनिया के युवा लीडर्स इन्हीं बातों पर जोर देते हैं।

जानी-मानी फैशन स्टाइलिस्ट हैं अमी पटेल। वे काजोल, लारा दत्ता, आलिया भट्ट, अक्षय कुमार और ऐसे ही कई दिग्गज बॉलीवुड स्टार्स के फैशन, उनके स्टाइल को मेंटेन रखने का काम करती हैं। उनके मुताबिक, स्टाइल फीका है यदि आपकी बॉडी लैंग्वेज, आपका चेहरा साथ नहीं दे रहा। यदि आप खुद अव्यवस्थित या कंफ्यूज रहते हैं, तो फैशन से इसे बदलना मुश्किल है। विचार आपका आईना हैं, यह ध्यान रखें। फिर आप जो भी पहनेंगे, लोग देखते रह जाएंगे। अमी खुद एक मेडिटेशन टीचर भी हैं और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए इसे बहुत जरूरी मानती हैं। उनके मुताबिक, हमें वह सब करना चाहिए, जिसकी वजह से हमारी सकारात्मक सोच को बनाए रखने में मदद मिल सके।

सीखने की ललक

जस्ट डायल के सीईओ वीएसएस मणि की सक्सेस स्टोरी भी कुछ इसी तरह की है। इसका सार यह है कि यदि आप विपरीत परिस्थिति में भी अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखने में सक्षम होते हैं, तो आपकी मंजिल ज्यादा दूर नहीं। वे कहते हैं, जब मैंने इस बिजनेस आइडिया के बारे में सोचा था, तो भारत में इंटरनेट का इतना प्रभाव नहीं था। एक तो मुश्किल आइडिया, उस पर घर की माली हालत खराब। काम शुरू करना है, तो पैसा चाहिए ही, सो मैंने दूसरे कामों के साथ जुड़कर घर की जिम्मेदारी भी संभाली और अपने बिजनेस आइडिया पर भी चुपचाप काम करता रहा। मणि आज भी अपने बिजनेस को 20 साल पुराना स्टार्ट-अप ही कहते हैं। उनके अनुसार, इससे सीखने की ललक बनी रहती है। जब तक यह इच्छा रहेगी, आपकी सोच भी सकारात्मक रहेगी। सकारात्मक लोग हमेशा कुछ-न-कुछ करते-सीखते रहते हैं।

समस्याओं से न भागें

मुझसे लोग हमेशा पूछते हैं कि आप तमाम जिम्मेदारियों से उपजे स्ट्रेस के बीच कुंठित क्यों नहीं होते, गुस्सा क्यों नहीं आता? मेरा जवाब होता है, आप इसके अलावा यह भी तो कह सकते हैं कि आप कितने पॉजिटिव हैं! यह कहना है ब्रैंडन वैलेस का। वे अमेरिकी सरकार में पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्यरत हैं। अपनी सरकारी जिम्मेदारियों के अलावा, वे युवाओं से जुड़े मसलों पर भी सक्रिय हैं। खास तौर पर इस दिशा में कि युवाओं को शांति और सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए। वे कहते हैं, कोई समस्या आपके सामने आती है, तो दो ही विकल्प होते हैं आपके पास। या तो आप समस्याओं से जूझें, दुख-दर्द का अनुभव करें या फिर इन सबका पूर्वानुमान लगाकर पलायन कर जाएं। मैं दर्द लेता हूं क्योंकि यह हमें अंततः स्थिर करता है। हममें ठहराव लाता है और इस ठहराव का चयन हमेशा सकारात्मक मिजाज का व्यक्ति ही कर सकता है।

फोकस खुद पर

जिनकी सोच सकारात्मक होती है, वे हमेशा अपनी गलतियों की तरफ देखते हैं। उनमें सुधार के बारे में चिंतन करते हैं। वे रुकी हुई घड़ी को भी देखकर यह कहना जानते हैं कि देखो, यह घड़ी नहीं चल रही लेकिन यह रोज दो बार सही वक्त बता पाने में सक्षम है। ब्रिटेन की अभिनेत्री फागुन ठकरार बचपन से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, पर उनके पैरेंट्स की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें। वे डॉक्टर बनीं भी, मगर बाद में कड़ी मेहनत करते हुए उन्होंने अपना सपना भी पूरा किया। आज वे डॉक्टर ही नहीं, एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और फैशन डिजाइनर भी हैं। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी फागुन कहती हैं, मैं इस बात की परवाह नहीं करती कि लोग क्या सोचेंगे। मैं हमेशा इसका ध्यान रखती हूं कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं। अपने काम के दौरान मैंने बहुत सारी मुश्किलें झेली हैं। लीक से हटकर सोचना और करना आसान नहीं, लेकिन मेरे पास जादू की छड़ी है और वह है सकारात्मक सोच।

इंटीरियर डिजाइनिंग प्रोफेशनल्स की बढ़ रही है मांग

इंटीरियर डिजाइनिंग के तहत घर, ऑफिस, होटल, शॉप, मॉल आदि की आंतरिक सुरुचिपूर्ण साज-सज्जा की जाती है। अपने घर को साफ-सुथरा रखने के साथ-साथ हर कोई उसे यथासंभव सजाकर भी रखना चाहता है। यही कारण है कि इंटीरियर डिजाइनिंग की मांग बढ़ रही है और इसका दायरा महानगरों से बढ़कर नगरों और कस्बों तक पहुंच चुका है। लोग न सिर्फ होटल, बिल्डिंग, दफ्तर, शोरूम और दुकानों की अंदरूनी सजावट कराना पसंद करते हैं, बल्कि घरों को भी अंदर से सजाने की खास ललक देखी जा रही है। यही कारण है कि इंटीरियर डेकोरेशन के लिए प्रशिक्षित इंटीरियर डिजाइनर्स की सेवाएं लेना आजकल आम बनता जा रहा है। यहां तक कि मेलों, प्रदर्शनियों, सामाजिक समारोहों के अलावा निजी समारोहों को सजाने के लिए भी ऐसे प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है। इस फील्ड में स्वरोजगार के लिए भी अनेक संभावनाएं मौजूद हैं।

संभावनाएं

इंटीरियर डिजाइनिंग से जुड़े प्रोफेशनल्स कंस्ट्रक्शन कंपनियों, आर्किटेक्चर फर्मों, प्रोडक्शन हाउस, मॉल, मल्टीप्लेक्स, थिएटर और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों में काम करने के अलावा खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। दिनो-दिन बदलती जीवनशैली और मॉडर्न होते समाज के बीच इंटीरियर डिजाइनर्स के लिए जॉब के अवसर आने वाले वर्षों में भी रहेंगे क्योंकि रियल एस्टेट सेक्टर आज भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले 15 टॉप सेक्टर्स में शुमार है। देश में 100 स्मार्ट सिटी के निर्माण, वर्ष 2025 तक सभी के लिए लो-बजट मकानों का निर्माण और मेक इन इंडिया जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा से निर्माण क्षेत्र में और भी बूम आने का अनुमान है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) के अनुसार, वर्ष 2025 तक कंस्ट्रक्शन और रियल एस्टेट सेक्टर में युवाओं के लिए करीब 7 करोड़ जॉब के अवसर पैदा होंगे। ऐसे में इंटीरियर डिजाइनर्स को भी जॉब के ढेर सारे मौके मिलेंगे।

क्या है कार्य?

इंटीरियर डिजाइनिंग के अंतर्गत किसी भी भवन के अंदरूनी हिस्सों की सजावट की जाती है। किसी भी ऑफिस, घर, मॉल, रेस्तरां या कमर्शियल कॉम्प्लेक्स को अच्छे तरीके से डिजाइन करने का काम इंटीरियर डिजाइनर ही करते हैं। चूंकि आज के समय में एक सीमित जगह के बीच लोग सब कुछ अरेंज करना चाहते हैं, अपने इंटीरियर स्पेस को आकर्षक लुक देना चाहते हैं, ऐसे में डिजाइनर्स की प्राथमिकता यही होती है कि कैसे किसी होटल, रेस्तरां, शोरूम या दफ्तर को आकर्षक लुक दिया जाए। इसके लिए ऐसे प्रोफेशनल्स में प्लानिंग, डेकोरेशन, रेनोवेशन जैसी कला की अच्छी समझ होती है। आजकल इमारत के बाहरी हिस्सों को आकर्षक लुक देने की जिम्मेदारी भी यही प्रोफेशनल निभा रहे हैं, हालांकि वे लैंडस्केप डिजाइनर कहलाते हैं।

पर्सनल स्किल

चूंकि इंटीरियर डिजाइनिंग का क्षेत्र क्रिएटिविटी से ही जुड़ा है, इसलिए यहां कलात्मकता, रचनात्मकता, प्रबंधकीय दक्षता और नई-नई सोच रखने वाले लोगों की बहुत डिमांड है। इस क्षेत्र में आने के लिए तार्किक बुद्धि और कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए, क्योंकि इंटीरियर डिजाइनर को अक्सर अपनी प्लानिंग और हुनर को क्लाइंट के सामने प्रस्तुत भी करना होता है। टीम भावना भी इस फील्ड के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि डिजाइनर्स को बिल्डर्स, आर्किटेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर्स, प्लंबर, कारपेंटर, इलेक्ट्रिशियन आदि के साथ सामंजस्य बिठाकर काम करना होता है। कुशल प्रोफेशनल बनने के लिए बदलते ट्रेंड के अनुसार काम में बदलाव भी लाते रहना जरूरी होता है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

इंटीरियर डिजाइनर्स की डिमांड इतनी है कि देश भर में अनेक सरकारी और निजी संस्थानों में इसके डिग्री, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा कोर्स संचालित हो रहे हैं। मैनेजमेंट एंड डिजाइन एकेडमी, दिल्ली के डायरेक्टर रोहित माथुर के अनुसार, आप 12वीं के बाद इस तरह का कोर्स कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश एंट्रेंस एग्जाम के जरिए मिलता है। इंटीरियर डिजाइनिंग अपने आप में एक स्पेशलाइज्ड कोर्स है, जिसमें बिल्डिंग की आंतरिक और बाहरी साज-सज्जा, प्लानिंग और बनावट के हिसाब से बेहतर लुक देने के बारे में युवाओं को सिखाया जाता है। मगर आप चाहें, तो ऑफिस डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग, रूम डिजाइनिंग, किचन डिजाइनिंग या होम डेकोर में भी विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं।

सरकारी और निजी संस्थानों में कई तरह के कोर्स हैं, जैसे- बैचलर इन इंटीरियर डिजाइन, ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फर्नीचर एंड इंटीरियर, बीए ऑनर्स इंटीरियर आर्किटेक्ट एंड डिजाइन, ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंटीरियर स्पेस एंड फर्नीचर डिजाइन, बीएससी इन इंटीरियर डिजाइनिंग, अंडर ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिप्लोमा प्रोग्राम, एडवांस डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन आदि। कुछ पाठ्यक्रमों की अवधि 1 साल, तो कुछ की 3 साल या उससे अधिक भी है। कोर्स के दौरान प्रेक्टिकल पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- मैनेजमेंट एंड डिजाइन अकेडमी, नई दिल्ली
- दिल्ली स्कूल ऑफ डिजाइन, दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर एंड फैशन टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर

सैलरी पैकेज

इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स पूरा करने के बाद युवाओं को किसी अनुभवी प्रोफेशनल के साथ कुछ महीनों तकप्रेक्टिस करके अनुभव हासिल करना चाहिए। शुरूआती दौर में फ्रेशर्स की सैलरी 15 हजार रुपए प्रति माह हो सकती है लेकिन कुछ वर्षों के अनुभव के बाद ऐसे प्रोफेशनल्स 50 हजार से 1 लाख रुपए प्रति माह तक कमा लेते हैं। खुद का काम करके भी प्रोफेशनल्स अच्छी कमाई कर सकते हैं।

प्रोफेशनल लाइफ में बनना है कॉन्फिडेंट तो अपनाएं ये टिप्स

हमारा आत्मविश्वास जीवन में एक अहम भूमिका निभाता है, फिर चाहे हमारा कार्यक्षेत्र कोई भी हो। जिन लोगों में आत्मविश्वास की कमी होती है, उन्हें अक्सर असफलता का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत आत्मविश्वास से भरे लोग जीवन के हर मोड़ पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त करते हैं। प्रोफेशनल लाइफ में भी आत्मविश्वास बहुत महत्वपूर्ण है तो आइए जानते हैं कि कैसे आत्मविश्वास को विकसित किया जाए।

- सबसे पहले तो आप अपना टारगेट बनाएं कि आपको क्या करना है। फिर उस टारगेट की ओर बढ़ना शुरू कर दें।
- आप देखें कि अभी तक आपने अपने जीवन में क्या पाया है और जो पाया है, उसे पाने के लिए आपने क्या प्रयास किए थे। एक डायरी में अपने अचीवमेंट लिख लीजिए।
- अपनी क्षमता का पता लगाइए। यह देखें कि आपके मित्र आपकी किस बात की तारीफ करते हैं। याद रखें, आपकी तारीफ जिस चीज को लेकर होती हो, वही आपकी ताकत हो सकती है।
- क्षमता पता चलने पर अपना टारगेट उसके अनुसार बनाएं। अपने दिमाग को सिर्फ अपने टारगेट पर फोकस करें। बार-बार उसी के बारे में सोचें।
- खुद से वादा करें कि आपने जो टारगेट बनाया है, आप उसमें सफल होकर रहेंगे।
- आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अपने ज्ञान को बढ़ाना होगा। जब तक आपके पास ज्ञान नहीं है, आपका आत्मविश्वास बस एक दिखावा ही साबित होगा।
- अपने नकारात्मक पहलुओं को पहचानें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें। आपके मन में बस एक ही बात होनी चाहिए कि आप यह काम कर सकते हैं।
- अपने अंदर धैर्य विकसित करें। धैर्य न सिर्फ आपको तनाव से बचाता है, बल्कि यह आपका आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।
- खुद की तुलना दूसरों से कभी न करें। आप जो भी हैं, जैसे हैं, बहुत अच्छे हैं। बस, खुद को आगे बढ़ाने वाले प्रयास में कभी ढील न दें।
- गलतियां इंसान से ही होती हैं, पर वे गलतियां बार-बार न हों, इसका खास खयाल रखें। गलतियां सुधारने से आपके व्यक्तित्व में कुछ जुड़ता है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

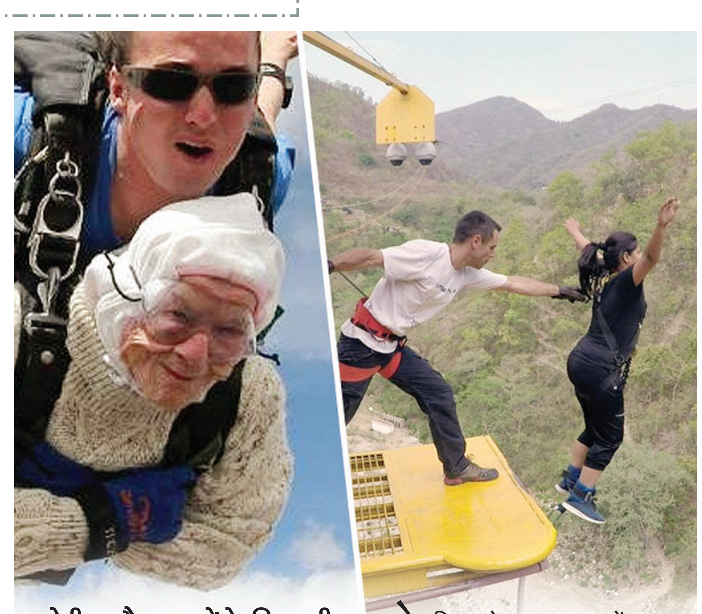

एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में खुलने लगे हैं नई संभावनाओं के द्वार

रोडीज और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज ने युवाओं को रोमांच के प्रति आकर्षित किया है। युवा इनमें अपना भविष्य देख रहे हैं। भारत में जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। ऐसे में एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर की कई नई संभावनाओं के द्वार खुलने लगे हैं।

वे दिन चले गए, जब पहाड़ों पर घूमने-फिरने के लिए गर्मी का इंतजार किया जाता था। अब तो पूरे साल पहाड़ों और दुर्गम जगहों पर जाया जा सकता है। इन्हीं पहाड़ों पर कभी बर्फ से भरे रास्तों पर ट्रेकिंग होती है, तो कभी उफनती नदी में राफ्टिंग या फिर साफ मौसम में पैराग्लाइडिंग। रोमांच और जुनून से भरे इन कारनामों को करने के लिए जितनी हिम्मत की जरूरत होती है, उससे कहीं ज्यादा लगन और मेहनत इन्हें सीखने में लगती है।

विदेशों में तो काफी युवा इस क्षेत्र में उतरते हैं, पर भारत में अभी इसे हॉट करियर ऑप्शन के तौर पर नहीं लिया जाता है। इस क्षेत्र में आने पर न केवल आपका घूमनेफिरने का शौक पूरा होगा, बल्कि बढ़िया सैलरी पैकेज भी मिलेगा। भारत में भी जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। अब केवल अपर क्लास ही नहीं, मिडिल क्लास की बड़ी आबादी भी साल में एक-दो बार रमणीय स्थानों पर घूमने निकल ही जाती है। इन टूरिस्ट स्पॉट्स पर एडवेंचर स्पोर्ट्स का काम भी काफी फल-फूल रहा है। इसी वजह से भारत में पिछले कुछ वर्षों से एडवेंचर स्पोर्ट्स की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है। इसके साथ-साथ युवाओं में इस क्षेत्र के प्रति रुझान भी उसी अनुपात में बढ़ा है।

क्या हैं संभावनाएं?

इस क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट्स एक्सपर्ट या एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनर के तौर पर काफी संभावनाएं हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत दुनिया में टूरिस्ट हब के तौर पर उभरा है। इसकी वजह है भारत का विकसित देशों के मुकाबले सस्ता होना और यहां मौजूद प्राकृतिक विविधता। इसके अलावा भारत धार्मिक और स्वास्थ्य पर्यटन के लिए भी पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। स्वास्थ्य लाभ के साथ लोग मानसिक शांति तलाशने के लिए भी भारत का रुख करते हैं। यहां के छोटे शहरों में खुलते मॉल, आसानी से उपलब्ध चीजें, शांतिप्रिय वातावरण और पश्चिम से अलग संस्कृति व जीवनशैली भी विदेशियों को आकर्षित करती है। हर साल भारत में 50 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक आते हैं। केंद्र और राज्यों की सरकारें भी इस ओर खासा ध्यान दे रही हैं। स्पोर्ट्स एडवेंचर भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा बन गए हैं।

एडवेंचर स्पोर्ट्स में प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए कई क्षेत्रों में जाने के तमाम मौके होते हैं। इनके अलावा केंद्र और विभिन्ना राज्यों के पर्यटन विभागों में भी काम करने के अवसर मिलते हैं। ये संस्थान समय-समय पर अभियान आयोजित करते हैं। इनमें भी भाग लिया जा सकता है। भारत में कई निजी छोटी-बड़ी कंपनियां भी ऐसी हैं, जो एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में काम कर रही हैं। ये ट्रेकिंग अभियानों, जंगल सफारी, पर्वतारोहण अभियानों आदि के लिए साल भर प्रोग्राम आयोजित करती रहती हैं। अलग-अलग राज्यों में पर्यटन के लिए अलग-अलग समय मुफीद रहता है। इस वजह से साल भर काम मिलता रहता है। इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोग किसी हॉलीडे रिसोर्ट, कैंप, कमर्शियल रिक्रिएशन सेंटर, एथलेटिक क्लब आदि आदि से जुड़कर न सिर्फ इन स्पोर्ट्स का प्रचार कर सकते हैं, बल्कि लोगों को प्रशिक्षण देकर भी पैसे कमा सकते हैं।

काम आएंगीं ये बातें

एक प्रोफेशनल एडवेंचर स्पेशलिस्ट बनने के लिए सबसे पहले आपके भीतर इस क्षेत्र के प्रति लगाव होना जरूरी है। इसके अलावा आपके मन में नई जगहों पर जाने, नई चीजें एक्सप्लोर करने, सूझ-बूझ और सीखने-सिखाने में रुचि होना जरूरी है। किसी अच्छे संस्थान में ट्रेनिंग लेना भी जरूरी है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें निपुण न होने पर आप अपने प्रोफेशन और दूसरों के साथ अन्याय तो करेंगे ही, उनके लिए खतरा भी पैदा कर सकते हैं। एक अच्छे एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनर को इलाके की अच्छी भौगोलिक जानकारी होनी चाहिए। साथ ही उसमें वेदर ऑब्जरवेशन स्किल्स भी होनी चाहिए, ताकि किसी भी विपरीत मौसम के प्रति वह समय रहते सचेत हो जाए। इन सबके साथ ही उसमें लीडरशिप का गुण भी होना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर, किसी आपात स्थिति में रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी होना भी बेहद जरूरी है।

कहां जाएं, क्या करें?

इस कोर्स के लिए कम से कम 12वीं तक की पढ़ाई जरूरी है। आवेदक की उम्र 16 से 40 साल के बीच होनी चाहिए। वॉटर स्पोर्ट्स के लिए तैराकी आना जरूरी है। किसी एक विदेशी भाषा का ज्ञान भी जरूरी है क्योंकि इससे इस क्षेत्र में काफी फायदा होता है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 20 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई नागपुर की प्राइवेट एंबुलेंस

पलटने के बाद लगी आग, वाहन जलकर खाक

परसवाड़ा | संवाददाता
rashtrabaan.in

थाना परसवाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कनई के पास आज सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। नागपुर से मरीज को छोड़कर लौट रही एक प्राइवेट एंबुलेंस कनई-खर्रा रोड के बीच अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस सड़क पर ही पलट गई और उसमें भीषण आग लग गई। देखते ही देखते एंबुलेंस धू-धू कर जलकर पूरी तरह खाक हो गई। सुबह के वक्त राहगीरों और ग्रामीणों ने जब जलती हुई गाड़ी देखी, तो इलाके में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना बीती रात की है। ग्राम संत्री टोला (चंदना) निवासी कमलेश पिता सुकल सिंह कुसरे (उम्र 34 वर्ष, जाति गोंड) ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह प्राइवेट एंबुलेंस नागपुर से देर रात करीब 2:00 बजे रवाना हुई थी। एंबुलेंस में नागपुर से एक आहत (मरीज) शिव प्रसाद को वापस उनके गृह ग्राम लाया जा रहा था। तड़के करीब 4:00 बजे एंबुलेंस सकुशल मरीज को लेकर पहुंच गई। इसके बाद एंबुलेंस के ड्राइवर ने करीब दो घंटे तक मरीज के घर पर ही आराम किया।

घूमने जाने की बात कहकर निकला था ड्राइवर

चश्मदीद कमलेश के मुताबिक, सुबह आराम करने के बाद ड्राइवर ने कहा कि वह थोड़ा आसपास का इलाका घूमने जा रहा है और वह गाड़ी लेकर वहां से निकल गया। लेकिन किसे पता था कि चंद मिनटों बाद ही यह दर्दनाक हादसा हो जाएगा। कनई और खर्रा ग्राम के बीच पहुंचते ही तेज रफ्तार एंबुलेंस पर से चालक का नियंत्रण खो गया और वाहन सीधे रोड किनारे पेड़ से जा टकराया। रफ्तार अधिक होने के कारण गाड़ी पलट गई और संभवतः शॉर्ट सर्किट या फ्यूल टैंक फटने की वजह से उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना में ड्राइवर की घटना स्थल पर मौत हो गई।

पत्ते तोड़ने वालों ने दी सूचना, पुलिस जांच में जुटी

सुबह करीब 6:00 बजे जब स्थानीय ग्रामीण और तेंदूपत्ता व अन्य पत्ते तोड़ने वाले लोग जंगल और रास्तों की तरफ निकले, तो उन्होंने इस भयावह मंजर को देखा। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और अन्य लोगों को दी। घटना की जानकारी मिलते ही परसवाड़ा थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की तो चालक की शिनाख्त माइकल अन्ना पिता अंतुनी (उम्र 56 वर्ष) के रूप में हुई, जो कौसल्या नगर, गली नंबर 16, पुलिस थाना अजनी, नागपुर का निवासी है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत ड्राइवर के पास मौजूद दस्तावेजों और कड़ियों को जोड़कर नागपुर में उनके परिवार से संपर्क साधा। कॉल के माध्यम से ड्राइवर माइकल अन्ना की पत्नी रिजिना को इस भीषण हादसे की जानकारी दे दी गई है। सूचना मिलते ही परिजन परसवाड़ा के लिए रवाना हो चुके हैं। पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के सही कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।

बीएसवीपी का सम्मान समागम एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर संपन्न

एनएसजी कमांडो डॉ. सुरेंद्र सिंह का तीन दिवसीय मंडला प्रवास रहा विशेष आकर्षण

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

मंडला में बीएसवीपी (भागीरथ सेवा विकास परिवार) द्वारा सम्मान समागम एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 26/11 मुंबई ताज आतंकी हमले के दौरान सैकड़ों लोगों की जान बचाने वाले एनएसजी कमांडो डॉ. सुरेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर गुरुकुल से आचार्य भीमदेव जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक हिंदू जागरण मंच के प्रांत संगठन मंत्री श्री अम्मालाल पटेल, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी श्री नीरज अग्रवाल तथा समिति के सक्रिय सदस्य डॉ. श्री समीर साहू उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया तथा जिले के समाजसेवियों और पत्रकार बंधुओं का सम्मान किया गया। अतिथियों ने अपने विचार साझा करते हुए सामाजिक एकता और सेवा कार्यों पर जोर दिया। एनएसजी कमांडो डॉ. सुरेंद्र सिंह ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अपनी टीम की वीरता और बचाव अभियान से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित जनों को सुनाए।

डॉ. अजय वंशकार के प्रयासों से मंडला में लगातार सामाजिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उनके आमंत्रण पर पूर्व में भगत सिंह के परपोते संधु अभय सिंह एवं अंतरराष्ट्रीय कवि श्री श्री वेदव्यास और उनकी टीम सनातन धर्म के प्रचारक गौतम खट्टर तथा डब्ल्यूडब्ल्यूई के प्रसिद्ध खिलाड़ी द ग्रेट खली सहित कई विशिष्ट अतिथि मंडला आ चुके हैं।

17 मई को आयोजित इस सफल कार्यक्रम के लिए आयोजकों ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, पत्रकार एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम अनुशासनपूर्वक संपन्न हुआ, जिसके लिए पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया गया।

कान्हा टाइगर रिजर्व में 5 वर्षीय नर बाघ मृत मिला

पोस्टमार्टम में संक्रमण और चोट के मिले संकेत

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व के मुक्की परिक्षेत्र अंतर्गत मोहगांव बीट के कक्ष क्रमांक 156 में मंगलवार सुबह एक नर बाघ मृत अवस्था में मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में एक बाघ के घायल एवं अस्वस्थ अवस्था में दिखाई देने की सूचना मिलने पर क्षेत्र संचालक, उप संचालक, वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी एवं अधीनस्थ अमले द्वारा लगातार बाघ की मॉनिटरिंग एवं अनुश्रवण किया जा रहा था। इसी दौरान गश्ती दल को बाघ मृत अवस्था में दिखाई दिया।

घटना की सूचना तत्काल प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) भोपाल को दी गई। इसके बाद एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत पोस्टमार्टम एवं भस्मीकरण समिति के सदस्यों को मौके पर बुलाया गया। वन विभाग द्वारा क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित कर डॉग स्क्वॉड की सहायता से घटनास्थल का गहन निरीक्षण कराया गया। वन्यजीव चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल, पशु चिकित्सक डॉ. आशीष वैद्य एवं डॉ. ज्योति मरावी के दल द्वारा मृत बाघ का पोस्टमार्टम किया गया। जांच में बाघ नर पाया गया जिसकी आयु लगभग 5 से 6 वर्ष बताई गई है। पोस्टमार्टम के दौरान बाघ के शरीर पर चोट के निशान एवं फेफड़ों में संक्रमण पाया गया, जिसे मृत्यु का कारण माना जा रहा है। वहीं बाघ के सभी महत्वपूर्ण अंग जैसे केनाइन दांत, नाखून एवं मूंछ के बाल सुरक्षित पाए गए। इस दौरान क्षेत्र संचालक रविन्द्र मणी त्रिपाठी, उपसंचालक पी.के. वर्मा, सहायक संचालक अजय ठाकुर, सहायक संचालक मितेन्द्र चिचखेड़े, तहसीलदार एस.एस. मार्को, सरपंच स्नेहलता पंद्रे, एनटीसीए प्रतिनिधि डॉ. श्रवणा गोस्वामी, फील्ड बायोलॉजिस्ट अजिंक्य देशमुख सहित वन विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हड़ताल के दौरान जीवनरक्षक दवाओं की आपूर्ति जारी रहेगी

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में बुधवार 20 मई को प्रस्तावित केमिस्ट व्यापारियों की हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग अलर्ट मोड पर है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि हड़ताल के दौरान भी आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं एवं चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता प्रभावित नहीं होने दी जाएगी।

उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन बालाघाट ने बताया कि जिला चिकित्सालय, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, आंगनबाड़ी केंद्र तथा जन औषधि केंद्रों में आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से दवाओं का संग्रह न करें। विभाग द्वारा लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है ताकि आपातकालीन सेवाएं एवं अस्पतालों में दवा आपूर्ति निर्बाध बनी रहे। यदि किसी क्षेत्र में आपातकालीन परिस्थिति में दवा उपलब्धता संबंधी समस्या उत्पन्न होती है, तो नागरिक जिला केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा जारी मेडिकल स्टोर संचालकों से संपर्क कर आवश्यक दवाएं प्राप्त कर सकते हैं। नागरिक आपातकालीन परिस्थिति में बालाघाट में सुरेश सोनी, सुरेश मेडिकल मोबाईल नंबर 98271 10135, संदीप पिछोर, गंगोत्री मेडिकल मोबाईल नंबर 94258 75624, प्रियंक वर्मा, आस्था मेडिकल 95891 70125, दिलीप जैन, महावीर मेडिकल 7000729130, वारासिवनी में संजीव जायसवाल से संपर्क कर सकते हैं।

बाघ के हमले से एक व्यक्ति की मौत

लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के लामता वन विकास निगम परियोजना मंडल बालाघाट के अंतर्गत लालबर्रा वन विकास निगम परिक्षेत्र के अंतर्गत गनखेड़ा के आगे चमरवाही के एक व्यक्ति की जंगल में बाघ ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान इंद्रकुमार परते चमरवाही लाटगांव बेहरई बरघाट जिला सिवनी के रूप में की गई है।

ग्रामीण व आसपास के ग्रामीणों की सूचना पर लालबर्रा पुलिस व वन विभाग ने मौका स्थल पर पहुंचकर मृतक के शव को बरामद कर आवश्यक पंचनामा कार्रवाई कर उसके शव को पोस्टमार्टम के

लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा लाया गया। जहां मृतक इंद्रकुमार परते के शव का पोस्टमार्टम कराकर अधिकारियों ने मृतक के शव को उसके परिजनों को सौंप दिया, पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है।

पदक पाकर खिल उठे खिलाड़ियों के चेहरे

'आरोह 2026' शिविर में खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए आयोजित 'आरोह 2026' शिविर में खेलों के साथ-साथ सात महत्वपूर्ण घटकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नवागत बालक-बालिकाओं को सम्मानित किया गया। चित्रकला सहित विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण समारोह में स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धीरज सर (आकाशवाणी प्रसारण अधिकारी) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा ने की। इस अवसर पर आदिवासी विकास विभाग से श्री कमल तिलासे एवं कार्यालय प्रभारी धीरज डोंगरे ने खिलाड़ियों को पदक प्रदान किए। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि धीरज सर ने कहा कि 'आरोह 2026' शिविर में खेलों के साथ व्यक्तित्व निर्माण और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए सात घटकों का समावेश किया गया है, जो एक सराहनीय और नवाचारी पहल है। उन्होंने शासन एवं विभाग द्वारा उठाए गए इस कदम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और प्रतिभा दोनों विकसित होंगे।

जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय तक सीमित न रखते हुए सभी प्रतिभागियों को समान सम्मान देना था। इसी भावना के तहत लगभग 60 खिलाड़ियों एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह के अंत में खिलाड़ियों को भविष्य में खेल, कला और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया गया।

'सबसे दूर सबसे पहले' अभियान के तहत लोगों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

बालाघाट जिले में 25 मई तक चलेंगे संतृप्ति शिविर, विभिन्न योजनाओं के आवेदन लिए जा रहे हैं

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री जन-मन एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत चिन्हित ग्रामों एवं बसाहटों में निवासरत जनजातीय वर्ग के ऐसे परिवारों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए, जो अब तक विभिन्न योजनाओं से वंचित हैं, बालाघाट जिले में 'सबसे दूर सबसे पहले' अभियान चलाया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार संचालित यह विशेष अभियान जिले में 18 मई 2026 से प्रारंभ होकर 25 मई 2026 तक चलेगा। अभियान के माध्यम से पात्र हितग्राहियों का सर्वे कर उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की कार्रवाई की जा रही है।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले के दूरस्थ एवं जनजातीय बहुल क्षेत्रों में संतृप्ति शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में लोगों से विभिन्न योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर उनकी पात्रता अनुसार लाभ दिलाने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिले के 165 ग्रामों में प्राचार्यों एवं 347 ग्रामों में छात्रावास अधीक्षकों की ड्यूटी सर्वे कार्य हेतु लगाई गई है।

119 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

जनसुनवाई में सुनी गई आवेदकों की समस्या

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 19 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक, श्री एमआर कोल, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव एवं एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 119 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम चिल्लौद के सरपंच नंदकिशोर जगने ग्राम में रोजगार सहायक के रिक्त पद की पूर्ति की मांग लेकर आए थे। सरपंच श्री जगने ने बताया कि ग्राम चिल्लौद में लंबे समय से रोजगार सहायक का पद रिक्त है, जिसके कारण पंचायत के कार्य, मनरेगा संबंधी कार्य एवं ग्रामीणों को मिलने वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लालबर्रा को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

कटंगी तहसील की श्रीमती मीना सोनी जीवन ज्योति बीमा की राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। मीना सोनी का कहना था कि उसने अपनी पुत्री कु. महिमा सोनी के नाम से सेंट्रल बैंक आफ इंडिया शाखा कटंगी में खाता खुलवाया था। शाखा द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत उसकी पुत्री के नाम से राशि कटौती की जाती है। मीना ने बताया कि उसकी बेटी की मृत्यु 15 मार्च 2024 को चुकी है। अतः उसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को कार्यवाही करने कहा गया है।

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम कन्डगांव की सुलोचना गौतम अपनी बेटी का दाखिला सीएम राईस स्कूल वारासिवनी में दिलाने की मांग लेकर आयी थी। सुलोचना का कहना था कि उसकी पुत्री पहले प्रायवेट स्कूल में अध्ययन कर रही थी और उसने दूसरी कक्षा 77 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण किया है। सुलोचना बताया कि वह एक गरीब महिला है और अपनी पुत्री को प्रायवेट स्कूल में पढ़ाने में सक्षम नही है। अतः उसकी पुत्री का दाखिला सीएम राईज वारासिवनी में कराया जाए। इस प्रकरण में जिला सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। बालाघाट तहसील के ग्राम पंचेरा निवासी अनुपसिंह पंद्रे किसान सम्मान निधि की राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आए थे। अनुपसिंह का कहना था कि उसे शासन से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि प्राप्त होती थी।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 20 मई 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

चमचमाती खिड़कियां, खोखले दावे

सिवनी लोकसेवा केंद्र बना 'लोक-परेशानी' का अड्डा, डिजिटल इंडिया में कछुआ गति से पिस रही जनता!

- समय पर नकल न मिलना, बदतमीजी और आवेदनों की रसीद के लिए हफ्तों का इंतजार
- लोकसेवा गारंटी कानून की धज्जियां उड़ने के बाद भी प्रशासनिक अमला मौन क्यों?

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

अजय उर्फ़ अज्जू मिश्रा, ठेकेदार : जनता जाये भाड़ में नॉट कमाओ सेवा की आड़ में !

जनता की परेशानी और बदहाली का केंद्र बना लोक सेवा केंद्र।

कहने को तो यह जिला मुख्यालय का 'लोकसेवा केंद्र' है, जिसे जनता के काम को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए खोला गया था। लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। आज सिवनी का लोकसेवा केंद्र जनता की सेवा कम और उन्हें मानसिक प्रताड़ना का मेवा ज्यादा बांट रहा है। डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस के बड़े-बड़े दावों के बीच यह केंद्र इस वक्त अव्यवस्थाओं का सबसे बड़ा गढ़ बन चुका है। दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों से अपनी गाढ़ी कमाई का किराया-भाड़ा फूंककर आने वाले सीधे-साधे और गरीब ग्रामीण यहाँ की सुस्त रफ्तार व्यवस्था के आगे घुटने टेकने को मजबूर हैं। डिजिटल सर्विस के नाम पर आवेदकों को दफ्तरों के चक्कर कटवाकर चक्करघिन्नी बना दिया गया है।

सिवनी जिला मुख्यालय स्थित लोकसेवा केंद्र में इन दिनों नियम-कायदों को ताक पर रख दिया गया है। पारदर्शी व्यवस्था की चमचमाती खिड़कियों के पीछे सिर्फ खोखले दावे नजर आ रहे हैं। इस केंद्र की बदहाली और मनमानी को इन तीन बड़े मुद्दों से आसानी से समझा जा सकता है।

नकल के लिए अकल, खिड़कियों के चक्कर काट रहे आवेदक

केंद्र पर आने वाले आवेदकों का सीधा आरोप है कि किसी भी जमीन, राजस्व या अन्य आवश्यक दस्तावेजों की नकल के लिए आवेदन करने के बाद उन्हें हफ्तों तक इंतजार कराया जाता है। लोकसेवा गारंटी के तहत जो काम चंद दिनों में निश्चित समय-सीमा के भीतर होना चाहिए, उसके लिए जनता हफ्तों से खिड़कियों के चक्कर काट-काटकर थक चुकी है। जब कोई पीड़ित काउंटर पर जाकर सवाल करता है, तो अंदर से एक ही घिसा-पिटा और गैर-जिम्मेदाराना जवाब मिलता है, अभी नकल शाखा से फाइल नहीं आई है, कुछ दिन बाद आना। इस कछुआ चाल ने आवेदकों का जीना मुहाल कर रखा है।

अजब-गजब सिस्टम: आवेदन आज, आधिकारिक रसीद 'शुभ मुहूर्त' में!

इस लोकसेवा केंद्र की कार्यप्रणाली इतनी निराली और संदेहास्पद है कि कोई भी हैरान रह जाए। डिजिटल दौर में भी यहाँ आप आज आवेदन और तय शुल्क जमा करेंगे, तो उसकी रसीद आपको तुरंत नहीं दी जाएगी। आवेदन और पैसे जमा होने के कई दिनों बाद रसीदें काटी जाती हैं, जिन्हें बाद में एक गठे (बंडल) में रख दिया जाता है। आवेदकों को खुद आकर उस गठे में से अपनी रसीद ढूंढनी पड़ती है। अब सबसे बड़ा तकनीकी और कानूनी सवाल यह उठता है कि अगर रसीद ही आवेदन के कई दिनों बाद जनरेट होगी, तो काम समय-सीमा के अंदर कैसे दर्ज होगा? क्या यह सीधे-सीधे आवेदकों के साथ समय और रिकॉर्ड की हेराफेरी नहीं है?

ग्रामीण अंचल के गरीब लोग हो रहे सबसे ज्यादा परेशान

इस बदइंतजामी की सबसे गाढ़ी मार सिवनी के दूरस्थ और अंदरूनी गांवों से आने वाले ग्रामीणों पर पड़ रही है। सुबह की पहली बस पकड़कर, अपनी दिनभर की मजदूरी छोड़कर, भूखे-प्यासे ये ग्रामीण इस उम्मीद में जिला मुख्यालय आते हैं कि सरकार की इस एकल खिड़की व्यवस्था से उनका काम हो जाएगा। लेकिन यहाँ आकर उन्हें सिर्फ 'अगली तारीख' का थकाऊ आश्वासन मिलता है। एक अदद कागज़ का टुकड़ा पाने के लिए ग्रामीणों की जेब भी ढीली हो रही है और समय भी बर्बाद हो रहा है।

पीड़ित की जुबानी- हमारा नुकसान कौन भरेगा?

लोकसेवा केंद्र की प्रताड़ना झेल रहे ग्रामीण श्याम देशकर ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया, हम अपना खेती-किसानी और मजदूरी का काम धंधा छोड़कर इतनी दूर से आस लगाकर आते हैं। यहाँ काउंटर पर बैठे कर्मचारियों का रवैया बेहद अड़ियल है, वे सीधे मुंह बात तक नहीं करते। पैसे और फॉर्म जमा करने के बाद भी रसीद के लिए दो दिन बाद बुलाते हैं। हमारा जो किराया लग रहा है और जो समय बर्बाद हो रहा है, उसका हिसाब कौन देगा? गरीब जनता को यहाँ सिर्फ परेशान किया जा रहा है।

साहब! कब टूटेगी कुंभकर्णी नींद?

मुख्यमंत्री और शासन स्तर से बार-बार लोकसेवा गारंटी कानून को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन सिवनी का यह केंद्र इन दावों की धज्जियां उड़ा रहा है। आखिर सिवनी के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की नजर इस बदहाली पर क्यों नहीं पड़ रही? क्या जिम्मेदार अधिकारी अपने एसी कमरों से बाहर निकलकर इस कड़कड़ाती धूप और अव्यवस्था के बीच तड़प रही आम जनता का दर्द देखने की जहमत उठाएंगे? अब देखना यह है कि इस तीखे समाचार के प्रकाशन के बाद सिवनी का प्रशासनिक अमला अपनी कुंभकर्णी नींद से जागकर इस केंद्र पर कोई ठोस और दंडात्मक कार्रवाई करता है, या फिर लोकसेवा के नाम पर 'लोक-परेशानी' का यह शर्मनाक खेल यूं ही अनवरत जारी रहेगा।

स्वच्छता के खोखले दावे

जब नाले की गंदगी से भी ज्यादा बदरंग हो गई प्रशासनिक संवेदनशीलता!

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सरकारें बदलती हैं, नारे बदलते हैं, और होर्डिंग्स पर स्वच्छ भारत की चमचमाती तस्वीरें भी बदलती हैं। लेकिन अगर कुछ नहीं बदलता, तो वह है हमारे सफाई मित्रों का दर्द और प्रशासन की बेरुखी। ताजा और शर्मनाक मामला सुभाष वार्ड क्रमांक 11 नेहरू रोड स्थित देसाई मड़िया के सामने से निकलकर आया है, जहाँ नाला सफाई का कार्य चल रहा है। इन तस्वीरों को देखकर किसी भी संवेदनशील इंसान का कलेजा कांप जाए, लेकिन नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों की आँखों पर शायद लापरवाही का मोतियाबिंद छा चुका है।

जनता पूछ रही है सवाल!

वार्ड नंबर 11 की जनता अब यह पूछ रही है कि अगर इन सफाई मित्रों को कोई गंभीर बीमारी या संक्रमण होता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या ठेकेदार और नगर पालिका प्रशासन सिर्फ काम निकालना जानते हैं, इंसानी जान की परवाह करना नहीं? इससे पहले कि कोई बड़ा हादसा हो या किसी सफाई मित्र की सेहत पर गाज गिरे, कुंभकर्णी नींद से जागिए। इन्हें तत्काल सुरक्षा उपकरण मुहैया कराए जाएं, वरना यह स्वच्छता अभियान सिर्फ एक क्रूर मजाक बनकर रह जाएगा।

वही जब राष्ट्रबाण द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी विशाल सिंह मास्कोले का पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में सामग्री वितरण की स्थिति पर बात करते हुए कहा कि मामला उनके ध्यान में आ चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ लोगों को सामान का वितरण किया जा चुका है और जिनका बाकी है, उन्हें भी जल्द ही सामग्री उपलब्ध करा दी जाएगी।

कागजों पर हाईटेक ग्राउंड पर असहाय

ज्ञानचंद सनोडिया, कार्यकारी अध्यक्ष : सिर्फ कमीशन में ध्यान, सफाईकर्मी की आफत में जान।

हर साल बजट के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपए स्वाहा कर दिए जाते हैं। कागजों पर सफाई मित्रों को सुरक्षा किट बांटने की बड़ी-बड़ी तस्वीरें खिंचवाई जाती हैं। लेकिन देसाई मड़िया के सामने ग्राउंड जीरो की ये हकीकत चीख-चीख कर कह रही है कि नियम-कायदे सिर्फ फाइलों में दफन हैं। सफाईकर्मी जहरीला कीचड़ में काम करने को मजबूर है। बिना ग्लव्स के उस गंदगी को हाथ लगाना बीमारियों को सीधा आमंत्रण है। प्रशासनिक अधिकारी और नगर अध्यक्ष की अनदेखी स्पष्ट नजर आती है, वार्ड के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और स्वास्थ्य अधिकारी एसी कमरों में बैठकर स्वच्छता का ढोल पीट रहे हैं।

मौत के मुहाने पर नंगे पैर और खाली हाथ!

तस्वीरें साफ गवाही दे रही हैं कि किस कदर हमारे सफाई मित्रों की जिंदगी को दांव पर लगाया जा रहा है। घुटनों तक भरे काले, जहरीले कीचड़, नुकीले कांच, प्लास्टिक और सड़ते हुए कचरे के बीच ये सफाई कर्मी बिना जूते और बिना दस्ताने के काम करने को मजबूर हैं। वही बड़ा सवाल यह है कि क्या इन सफाई मित्रों की जान की कोई कीमत नहीं है? संक्रमण, गंभीर बीमारियाँ और चोट का खतरा हर सेकंड मंडरा रहा है, लेकिन उन्हें सुरक्षा उपकरण न देना सीधे तौर पर मानवाधिकारों का उल्लंघन और प्रशासनिक क्रूरता है।

सड़क मरम्मत, ब्लैक स्पॉट सुधार, विद्युत पोल शिफ्टिंग एवं मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर कलेक्टर सुनीता खंडायत सहित यातायात, परिवहन, एमपीआरडीसी, एनएचएआई तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए सड़क मरम्मत एवं सुधार कार्यों की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर त्वरित सुधार कार्य सुनिश्चित करने, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत में तेजी लाने तथा आवश्यक संकेतक एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगर के प्रमुख मार्गों पर यातायात में बाधा बन रहे विद्युत पोलों को चिन्हित कर शीघ्र शिफ्टिंग की कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। साथ ही नगरीय क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अतिक्रमण हटाने एवं अवैध होर्डिंग्स के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए सड़क किनारे वृक्षारोपण के लिए अभी से कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 288 आवेदन प्राप्त

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में कुल 288 आवेदन प्राप्त हुए। आयोजित जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत, अपर कलेक्टर श्री सी एल चनाप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में तहसील सिवनी अंतर्गत ग्राम कान्हीवाडा निवासी गंगा भलावी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, ग्राम नंदौरा सिवनी निवासी राधाबाई पाण्डे द्वारा गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनाये जाने विषयक, बरघाट निवासी लक्ष्मी राउत द्वारा राशन कार्ड बनाये जाने विषयक, तहसील केवलारी अंतर्गत ग्राम देवघाट चिरचिरा निवासी भारती सेन द्वारा राशन दिलाये जाने विषयक, छपारा निवासी भारत वंशकार एवं अन्य द्वारा पीएम आवास योजना के बने मकानों के पट्टा दिलाये जाने विषयक, ग्राम कान्हीवाडा निवासी रहीना मुस्कान द्वारा पति की मृत्यु उपरांत आर्थिक सहायता राशि दिलाये जाने विषयक, कुरई निवासी नंदकिशोर इनवाती द्वारा शिक्षक कालोनी के पीछे रोड बनाये जाने विषयक, तहसील घंसौर अंतर्गत ग्राम समनापुर निवासी नन्हेलाल मर्सकोले द्वारा काबिज भमि का पट्टा दिलाये जाने विषयक, अकबर वार्ड सिवनी निवासी मोहन सिंह बघेल एवं अन्य द्वारा नाले की सफाई एवं अतिक्रमण हटाये जाने विषयक, ग्राम पायली सिवनी निवासी गोविंद तिवारी द्वारा भूमि का सीमांकन कराये जाने विषयक, ग्राम बींझावाडा रनबनटोला सिवनी निवासी जानकी उइके द्वारा गरीबी रेखा राशन कार्ड एवं लाडली योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, ग्राम करहैया सिवनी निवासी सुरेश सनोडिया द्वारा गेहूं विक्रय हेतु स्लॉट बुक कराये जाने विषयक, रानी दुर्गावती वार्ड सिवनी निवासी सरोज मानाठाकुर द्वारा राहत राशि दिलाये जाने विषयक, ग्राम जेवनारा तहसील केवलारी निवासी जयबिंद दास द्वारा भू-अभिलेख दुरूस्त कराये जाने विषयक, तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम मढी निवासी अश्विनी मासुरकर द्वारा बिजली बिल अधिक आने विषयक, तहसील लखनादौन अंतर्गत ग्राम धूमा निवासी त्रिलोकी श्रीवास द्वारा निजी भूमि पर स्थाई कलेक्शन कराये जाने विषयक, ग्राम छपारा तहसील बरघाट निवासी रामकिशन हरिनखेडे द्वारा आंगन में लगे ट्रांसफार्मर को हटाये जाने विषयक सहित कुल 288 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही कर शीघ्र निराकरण किये जाने के निर्देश कलेक्टर श्री राठौर द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिये गये।

स्वरोजगार स्थापना हेतु युवाओं को मिलेगा बैंक ऋण का लाभ

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सीएम उद्यम क्रांति योजनांतर्गत बैंक वित्त पोषित योजनाओं के माध्यम से नवीन उद्योग, सेवा एवं व्यवसाय स्थापित कर स्वयं का रोजगार प्रारंभ करने के इच्छुक युवाओं से आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सिवनी श्री आशीष नोएल ने जानकारी देते हुए बताया कि योजनांतर्गत पात्र आवेदक राज्य शासन के ऑनलाइन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 26-27 के लिए सिवनी जिले को 145 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसे बैंक शाखावार आवंटित कर दिया गया है। व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा प्राप्त आवेदनों का गुण-दोष के आधार पर परीक्षण कर ऋण प्रकरण संबंधित बैंक शाखाओं को अग्रेषित किए जाएंगे।

सियासी गलियारों में चर्चा

पुष्पांजलि तो ठीक है, पर विमला जी जैसा काम कब दिखेगा?

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

स्व. विमला वर्मा।

स्व. विमला वर्मा स्वर्गीय श्रीमती विमला वर्मा की पुण्यतिथि में पुष्पांजलि अर्पित करते कांग्रेसी नेतागण।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय श्रीमती विमला वर्मा की पुण्यतिथि पर 17 मई को इंदिरा भवन में नेताओं का जमावड़ा लगा। हमेशा की तरह तस्वीरें खिंचाई गई, मालाएं पहनाई गई और भारी मन से विनम्र श्रद्धांजलि भी दी गई। लेकिन इस बार यह आयोजन सिर्फ रस्म अदायगी बनकर नहीं रहा, बल्कि अंदर की सुगबुगाहट अब बाहर आ चुकी है। तस्वीरें खिंचाने और याद करने की इस सियासत पर अब खुद पार्टी के भीतर और जनता के बीच तीखे सवाल उठने लगे हैं।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी सहित कई दिग्गज नेता पार्टी आफ्टर में नजर आए। विमला जी के मूर्ति पर फूल चढ़ाने की होड़ तो दिखी, लेकिन आयोजन के बाद दबी जुबान में ही सही, यह कड़वी सच्चाई भी तैरने लगी कि याद करना और फोटो खिंचवाना तो बहुत अच्छी और आसान बात है, लेकिन क्या आज के नेता उनके जैसा काम करने का माद्दा रखते हैं?

क्यों उठ रहे हैं तीखे सवाल?

स्व. विमला वर्मा की पहचान एक ऐसी नेत्री के रूप में थी जिन्होंने सिवनी और पूरे क्षेत्र के विकास के लिए दिल्ली से लेकर भोपाल तक अपनी धाक जमाई थी। आज उनके नाम पर राजनीति चमकाने वाले नेताओं के लिए जनता के कुछ कड़वे सवाल हवा में तैर रहे हैं कि सिर्फ पुण्यतिथि पर ही याद क्यों? साल के बाकी दिन विमला जी के बताए सिद्धांतों और उनके विकास के एजेंडे को ठंडे बस्ते में क्यों डाल दिया जाता है? आज के जनप्रतिनिधि चाहे वो अध्यक्ष नरेश मरावी हों, या विधायक रजनीश सिंह और योगेंद्र सिंह बाबा बड़ी-बड़ी बातें तो करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर विमला जी जैसा जुझारूपन और दूरदर्शिता गायब क्यों है?

क्या आज का नेतृत्व सिर्फ उनके नाम की मलाई खाना चाहता है या वाकई उनके जैसे कड़े फैसले लेकर क्षेत्र की तस्वीर बदलने का दम रखता है? वही नेताओं को यह समझना होगा कि जनता अब सिर्फ श्रद्धांजलि के गुलदस्तों से बहलने वाली नहीं है। इतिहास उन्हें याद रखता है जो काम करते हैं, उन्हें नहीं जो सिर्फ पुण्यतिथियों पर सफेद कुर्ता पहनकर माल्यार्पण करना जानते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433